

This question paper contains 1 printed page.

December, 2021

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	121302302 / B-303
Name of the Paper	:	योगसूत्रएवंगौड़पादकारिका Yogasutra & Gaudapadakarika
Name of the Course	:	M.A. (Sanskrit), EC
Scheme	:	LOCF/Old Course
Semester	:	III
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
 3. The **4 questions** to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.
1. ऊंकार तथा ब्रह्म में वाचक-वाच्य सम्बन्ध है, इस कथन को माण्डूक्यकारिका के आधार पर सिद्ध कीजिए।
“There is a relation of signifier and signified between Omkara and Brahma” - examine this statement on the basis of Mandukyakarika.
 2. सम्प्रज्ञात तथा असम्प्रज्ञात समाधि के सन्दर्भ में वैराग्य की महत्ता की परीक्षण कीजिए।
Examine the significance of Vairagya in terms of Samprajyata and Asamprajyata Samadhi.
 3. “योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः” प्रस्तुत पातञ्जलसूत्र एवं भाष्य के आधार पर योग का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
“योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः” - elaborate the concept of Yoga with this Sutra of Patanjalasutra & it's Bhashya.
 4. योगसूत्र-भाष्य के अनुसार, आशय से युक्त कर्मों के स्वरूप पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
Discuss at length about the Karmas associated with Ashayas according to Yogasutra-vyasabhashya.
 5. माण्डूक्यकारिका के आधार पर द्वैत के मिथ्यात्व को युक्तिपूर्वक सिद्ध कीजिए।
Establish Mithyatva of Duality on the basis of Mandukyakarika.
 6. माण्डूक्यकारिका के आधार पर ब्रह्म के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डालिए।
Give an exposition to the nature of Brahma in detail on the basis of Mandukyakarika.